हिन्दुस्तान एकता

राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक RNI-HRHIN/26/A1127

वर्षः 07, अंकः 02, पृष्ठः 04, कैथल, मूल्यः रुपए. 01/- बुधवार 11 मार्च 2026 E-mail: Info@hindustanekta.com

मोहाली की कृतिका चौधरी ने UPSC में हासिल की 312वीं रैंक, कड़ी मेहनत और अनुशासन से पाया लक्ष्य

Upsc Talk

मोहाली। कमलेश शर्मा

शहर की 26 वर्षीय कृतिका चौधरी ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षा में 312वीं रैंक हासिल कर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। कृतिका का यह दूसरा प्रयास था और लगातार मेहनत, सही रणनीति और परिवार के सहयोग से उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। हिंदुस्तान एकता से विशेष बातचीत में कृतिका ने अपनी तैयारी, चुनौतियों और सफलता के पीछे की रणनीति साझा की।

कड़ी मेहनत और अनिश्चितता सबसे बड़ी चुनौती:- कृतिका बताती हैं कि UPSC की तैयारी के दौरान सबसे बड़ी चुनौती रोजाना लंबे समय तक पढ़ाई करना और परिणाम को लेकर बनी रहने वाली अनिश्चितता थी। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन करीब 10 घंटे पढ़ाई करना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने खुद से यह वादा किया था कि अपनी तरफ से कोई कमी नहीं छोड़ेंगी। उनका कहना है कि उन्होंने हमेशा कर्म पर ध्यान दिया और यही सोचकर तैयारी की कि जो भी परिणाम आएगा, उसे खुशी-खुशी स्वीकार करेंगी।

दूसरे प्रयास में मिली सफलता:- कृतिका का यह दूसरा प्रयास था। इस बार उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए पूरा फोकस प्रीलिम्स पर रखा। उन्होंने पिछले लगभग 18 वर्षों के प्रश्नपत्रों (PYQ) को हल किया और पहले से पढ़े हुए विषयों को बार-बार दोहराया। कोचिंग संस्थान से मिली पुस्तकों से उन्होंने अपने नोट्स तैयार किए और उनमें अतिरिक्त जानकारी जैसे डेटा और उद्धरण भी शामिल किए ताकि उत्तर अधिक प्रभावी बन सकें।

ऑप्शनल विषय चुनने में आत्मविश्वास जरूरी:- ऑप्शनल विषय चुनने को लेकर कृतिका का मानना है कि वही विषय चुनना चाहिए जिसमें आपकी मजबूत पकड़ हो। उन्होंने कहा कि जिस विषय में समझ स्पष्ट हो और जिसमें आपको पूरा विश्वास हो कि आप अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, वही विषय चुनना बेहतर रहता है।

मेन परीक्षा के लिए उत्तर लेखन का अभ्यास:- मेन परीक्षा की तैयारी के लिए कृतिका ने नियमित रूप से टेस्ट सीरीज दी। वह अपने उत्तरों की तुलना टॉपर्स के उत्तरों से करती थीं ताकि सुधार किया जा सके। उन्होंने बताया कि वह अपने उत्तरों में फ्लोचार्ट और डायग्राम का उपयोग करती थीं, जिससे उत्तर अधिक स्पष्ट और प्रभावी बनते थे।

साथ ही उन्होंने समय प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया ताकि परीक्षा के दौरान सभी प्रश्न पूरे किए जा सकें।

करेंट अफेयर्स के लिए नियमित अखबार पढ़ना जरूरी:- करेंट अफेयर्स की तैयारी के लिए कृतिका रोजाना समाचार पत्र पढ़ने की सलाह देती हैं। तैयारी के दौरान वह नियमित रूप से अखबार पढ़ती थीं और इंटरव्यू के समय उन्होंने तीन समाचार पत्रों का अध्ययन किया। उनका मानना है कि देश-दुनिया में क्या हो रहा है, इसकी जानकारी रखना UPSC की तैयारी के लिए बेहद जरूरी है।

रिवीजन की खास रणनीति:- कृतिका ने अपनी तैयारी के दौरान कई बार रिवीजन किया। तीन से चार बार पढ़ने के बाद उन्होंने अपने नोट्स को छोटा और अधिक संक्षिप्त बना लिया ताकि उन्हें जल्दी पढ़ा जा सके और याद रखना आसान हो। उन्होंने उन विषयों के लिए खास तौर पर छोटे और स्पष्ट नोट्स बनाए जिनके भूलने की संभावना अधिक होती थी।

इंटरव्यू की तैयारी में रिसर्च का सहारा:- इंटरव्यू की तैयारी के बारे में कृतिका बताती हैं कि उन्होंने अपना डिटेल्ड एप्लीकेशन फॉर्म (DAF) बहुत सोच-समझकर भरा था।

उन्होंने उसमें दी गई हर जानकारी पर रिसर्च की ताकि इंटरव्यू में उससे जुड़े सवालों का सही जवाब दे सकें।

पढ़ाई के साथ हॉबी भी जरूरी:- UPSC की तैयारी के दौरान कृतिका को नॉन-फिक्शन किताबें पढ़ना और पेंटिंग करना पसंद था।

उनका मानना है कि हॉबीज व्यक्ति को मानसिक रूप से संतुलित बनाए रखने में मदद करती हैं।

आध्यात्मिकता और परिवार से मिला हौसला:- कृतिका खुद को एक आध्यात्मिक व्यक्ति मानती हैं।

जब भी वह निराश महसूस करती थीं तो मंदिर जाकर मन को शांत करती थीं। उन्होंने बताया कि उनकी मां उनकी सबसे अच्छी दोस्त और सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। तैयारी के दौरान उनकी मां दिल्ली में उनके साथ रहीं और हर कदम पर उनका समर्थन किया।

लक्ष्य: महिला शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर काम:- भविष्य की योजनाओं के बारे में कृतिका का कहना है कि वह प्रशासनिक सेवा में रहते हुए महिला शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करना चाहती हैं।

सफलता के लिए अनुशासन और लक्ष्य जरूरी:- कृतिका के अनुसार UPSC की तैयारी करने वालों के लिए नियमितता और लक्ष्य बहुत जरूरी है। वह बताती हैं कि हर व्यक्ति की अपनी अलग दिनचर्या होती है, लेकिन साप्ताहिक और मासिक लक्ष्य तय करके उन्हें पूरा करना बेहद महत्वपूर्ण है।

उनकी दिनचर्या सुबह 7 बजे से शुरू होती थी और शाम तक पढ़ाई चलती थी। प्रीलिम्स के बाद पढ़ाई का समय बढ़कर 12 से 14 घंटे तक हो जाता था।

मेहनत और स्मार्ट वर्क दोनों जरूरी:- कृतिका का मानना है कि UPSC जैसी कठिन परीक्षा में सफलता पाने के लिए सिर्फ मेहनत ही नहीं बल्कि स्मार्ट वर्क भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि अगर कोई उम्मीदवार लगातार 10 से 12 घंटे पढ़ाई कर सकता है और सही रणनीति के साथ तैयारी करता है, तो वह इस परीक्षा में जरूर सफल हो सकता है।

स्वर्णिम एवं विकसित बंगाल बनाने के लिए जनता तत्पर: नायब सिंह

चंडीगढ़। हिन्दुस्तान एकता

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वर्णिम और विकसित बंगाल बनाने के लिए जनता परिवर्तन संकल्प को मजबूत करने का कार्य करेगी। उन्होंने पारदर्शी शासन, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास आधारित राजनीति के महत्व पर बल दिया। मुख्यमंत्री मंगलवार को पश्चिम बंगाल के 24 परगना के कुल्पी में परिवर्तन यात्रा के दौरान आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि देश में विकास और परिवर्तन की भावना लगातार मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल मछली पालक किसानों की धरा है। यहां के लोगों ने इतिहास व संस्कृति को बदलने का कार्य किया। बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की भावना पूरे देश में फैली है।

बंगाल में किसान, युवा बेहाल और भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण व हिंसा का बोलबाला: सैनी

बंगाल की माटी के लोग हमारे लिए गर्व और गौरव हैं। इस धरा ने स्वामी विवेकानन्द, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, बंकिमचन्द्र चटर्जी जैसे महान सपूत दिए हैं। यहां के रणबांकुरों ने देश की आजादी की लड़ाई को नई दिशा देने का काम किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की भूमि ने वंदे मातरण का मंत्र देकर देश में राष्ट्रवाद की ज्योत जलाई जो आज भी जग रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल राजनैतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि पश्चिम बंगाल की लचर-पचर व्यवस्था और भ्रष्टाचार में फंसी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए परिवर्तन की पुकार है।

निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समावेशी विकास की मजबूत नींव: राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली। हिन्दुस्तान एकता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि प्रत्यक्ष कर देश के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक स्थिर राजस्व स्रोत के रूप में यह सरकारों को अवसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समानता को बढ़ावा देती है और समावेशी तथा सतत विकास की मजबूत नींव तैयार करती है। राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को भारतीय राजस्व सेवा के 79वें बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित

करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि राजस्व सेवा का दायित्व केवल कर संग्रह तक सीमित नहीं है। जटिल वित्तीय लेन-देन का विश्लेषण करने, सीमाओं के पार अवैध वित्तीय प्रवाह का पता लगाने और जटिल कॉरपोरेट संरचनाओं को समझने की क्षमता आईआरएस अधिकारियों को विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में राष्ट्र का महत्वपूर्ण सहयोगी बनाती है।

ब्रह्मसरोवर की मासिक परिक्रमा में उमड़े श्रद्धालु

कुरुक्षेत्र। गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार द्वारा ब्रह्मसरोवर की मासिक परिक्रमा श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित की गई। परिक्रमा की शुरूआत सर्वेश्वर महादेव मंदिर के सामने से हुई और वहीं पर संपन्न हुई। इस दौरान भजन गायक राजेंद्र चोपड़ा, सुनील वत्स, पवन गुंबर और विकास द्वारा प्रस्तुत भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। "बार-बार प्रणाम बिहारी तेरे चरणों में" और "राधे-राधे रटते चलो" जैसे भजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

इस मौके पर गीता मनीषी ज्ञानानंद जी महाराज ने श्रद्धालुओं से गीता

के संदेश को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया और सभी के सुखी व निरोगी रहने की कामना की।

खेलों से बढ़ता है खिलाड़ियों का आत्मविश्वास: विधानसभा अध्यक्ष

कौल में बलवंत सिंह बल्लु की स्मृति में वॉलीबॉल प्रतियोगिता, ट्रस्ट को 11 लाख देने की घोषणा

ढांड। हिन्दुस्तान एकता

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि खेल युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। खिलाड़ियों को हमेशा खेल भावना के साथ खेलना चाहिए, तभी खेलों का असली उद्देश्य पूरा होता है। वे रविवार को गांव कौल स्थित बलवंत सिंह स्टेडियम में बलवंत सिंह की स्मृति में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों और ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बलवंत सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करते

हैं और उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को भरोसा दिलाया कि खेलों के विकास के लिए किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि घरौंडा में लगभग 5 एकड़ भूमि पर 15 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सुविधाओं से युक्त इनडोर स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस कार्य में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का सहयोग मिला है। कार्यक्रम से पहले उन्होंने बाबू अनंत राम की प्रतिमा और बलवंत सिंह की समाधि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। प्रतियोगिता में हरियाणा और झारखंड की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें हरियाणा ने 3-1 से जीत दर्ज की। विधायक सतपाल जांबा ने भी बलवंत सिंह बल्लु को नमन करते हुए कहा कि युवाओं को खेल और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कौल गांव में बलवंत सिंह बल्लु के नाम से लगभग 8 एकड़ भूमि पर स्टेडियम बनाने की घोषणा की। इस मौके पर जिला परिषद चेयरमैन कर्मबीर कौल, पूर्व विधायक तेजबीर सिंह, बलकार सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

14 मार्च को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

कैथल। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार 14 मार्च को कैथल में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव कंवल कुमार ने बताया कि यह आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंचन माही के मार्गदर्शन में होगा। लोक अदालत में दीवानी, पारिवारिक, मोटर दुर्घटना दावा, बैंक ऋण, बिजली-पानी बिल विवाद, श्रम विवाद तथा कंपाउंडेबल आपराधिक मामलों सहित प्री-लिटिगेशन मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया जाएगा। इसमें किसी प्रकार का अतिरिक्त न्यायालय शुल्क नहीं लगेगा और पहले से जमा शुल्क भी नियमानुसार वापस किया जा सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति-जनजाति, श्रमिकों व दिव्यांगजनों को निशुल्क कानूनी सहायता भी दी जाती है। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन 01746-235759 या 15100 पर संपर्क किया जा सकता है।

सफाई कर्मचारियों के लिए आज से 13 तक स्वास्थ्य शिविर

कलासो देवी

कैथल। जिले के सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच के लिए 11 से 13 मार्च तक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएंगे। डीसी अपराजिता ने अधिकारियों को शिविर के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि शिविर हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के निदेर्शानुसार आयोजित किया जाएगा। इसके लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अलग-अलग नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे, जो नगर निकायों व विभिन्न विभागों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों और सीवरमैनों को शिविर की जानकारी देंगे।

आरकेएसडी कॉलेज में 13 मार्च को रोजगार मेला आयोजित होगा

कलासो देवी

कैथल। जिला रोजगार कार्यालय की ओर से युवाओं को रोजगार के अवसर देने के लिए 13 मार्च को सुबह 10 बजे आरकेएसडी कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें कई निजी कंपनियां और संस्थान भाग लेकर मौके पर ही योग्य युवाओं का चयन करेंगे।

मेले में शाह अस्पताल, पुखराज हेल्थ केयर, एकांश मोटर्स, सिग्नस अस्पताल, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एलआईसी, एसआईएस सिक्युरिटी और अमर उजाला पब्लिकेशन सहित अन्य संस्थान भाग लेंगे। भर्ती नर्सिंग स्टाफ, टीचिंग स्टाफ, सेल्स ऑफिसर, फील्ड सेल्समैन, वेलनेस एडवाइजर और सिक्योरिटी गार्ड जैसे पदों के लिए की जाएगी। 10वीं, 12वीं और स्नातक पास युवा इस मेले में भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय कैथल से संपर्क किया जा सकता है।

साइबर ठगी से बचें, 1930 पर करें शिकायतः डीसी

कलासो देवी

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर धोखाधड़ी के मामले बढ़ रहे हैं, इसलिए आमजन को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने बताया कि यदि किसी के साथ ऑनलाइन ठगी होती है तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही www.cybercrime.gov.in वेबसाइट पर भी शिकायत की जा सकती है। डीसी ने कहा कि समय पर सूचना देने से साइबर अपराध को रोकने की संभावना बढ़ जाती है। जिला प्रशासन लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

सिरसल स्कूल की छात्राओं ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

पूंडरी। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसल की 29 छात्राओं और अध्यापकों के दल ने हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही का अवलोकन किया। यह दौरा पूंडरी विधायक सतपाल जांबा के प्रयासों से संभव हो पाया। छात्राओं ने विधानसभा में विधायी प्रक्रिया और जनहित के मुद्दों पर होने वाली

चर्चा को करीब से देखा। इस दौरान उन्होंने सरकार के कामकाज और कानून बनाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी हासिल की। दौरे के बाद छात्राओं ने इसे अपने जीवन का यादगार अनुभव बताते हुए विधायक सतपाल जांबा का आभार व्यक्त किया।

किसान की बेटी की शादी में अचानक पहुंचे राहुल गांधी

सोनीपत। हिन्दुस्तान एकता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को सोनीपत जिले के गोहाना स्थित मदीना गांव पहुंचे, जहां उन्होंने किसान संजय की बेटी तनु की शादी के समारोह में शिरकत की। राहुल गांधी ने पूरी मुलाकात का 1 मिनट 38 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें 3 साल पहले किसान के खेत में धान रोपाई से लेकर आज तक

के आत्मीय संबंधों की झलक दिखाई गई है। वीडियो में शादी के दौरान घर पर मौजूद सोनीपत की एक कांग्रेस नेत्री राहुल गांधी से बातचीत करती नजर आ रही हैं। वह कहती हैं कि किसान की बेटी की शादी में भी आप आए, जबकि उद्योगपतियों की शादी में तो बड़े-बड़े लोग जाते हैं। इसके बाद तनु प्रधानमंत्री मोदी का जिक्र करते हुए कहती हैं कि जैसे मोदी हैं, अंबानी के लड़के की शादी में गए थे, लेकिन ऐसे कभी गरीबों की शादी में जाते हुए नहीं देखे हैं। इस पर राहुल गांधी जवाब देते हैं, "वहां मजा थोड़े आएगा। फिर संजय के घर की तरफ इशारा करते हुए कहते हैं, "मजा तो यहां आएगा।

पंजाब के अस्पतालों में इलाज करवा सकेंगे हरियाणा के कर्मचारी व पेंशनर

चंडीगढ़। हिन्दुस्तान एकता

हरियाणा सरकार के कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके आश्रितों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पंजाब के चार अस्पतालों को सूचीबद्ध किया है। अब हरियाणा के कर्मचारी व पेंशन पंजाब के अस्पतालों में गंभीर बीमारियों का इलाज करवा सकेंगे। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने मंगलवार को चंडीगढ़ में बताया कि हरियाणा सरकार ने पंजाब के चार प्रतिष्ठित अस्पतालों को उपचार के लिए सूचीबद्ध (एम्पैनल) किया है। इनमें होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, मुल्लांपुर, पंजाब (यह टाटा

मेमोरियल सेंटर मुंबई की यूनिट है), होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल, संगरूर, पंजाब (यह भी टाटा मेमोरियल सेंटर मुंबई की यूनिट है), रीजनल स्पाइनल इंजरीज सेंटर, सेक्टर 70 मोहाली तथा पंजाब इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंस, फेज 3 बी 1, सेक्टर 60 मोहाली शामिल हैं।

हरियाणा के श्रद्धालु अब ट्रेन से भी मुफ्त कर सकेंगे पटना साहिब, वैष्णो देवी व शिरड़ी की यात्रा

चंडीगढ़। हिन्दुस्तान एकता

हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत प्रदेश के पात्र बुजुर्ग श्रद्धालु अब ट्रेन के माध्यम से विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन कर सकेंगे। इसके लिए मंगलवार को हरियाणा सरकार और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। दरअसल, मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के हरियाणा के वरिष्ठ नागरिकों, जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है, को निःशुल्क पवित्र स्थलों की यात्रा करवाई जाती है। आज हुए एमओयूपर सरकार की ओर से सूचना,

जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग तथा आईआरसीटीसी की तरफ से सर्कल रिजनल मैनेजर (सीआरएम) हरजोत सिंह संधू ने हस्ताक्षर किए है। महानिदेशक पांडुरंग ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के पात्र बुजुर्ग श्रद्धालुओं को विभिन्न तीर्थ स्थलों की निशुल्क यात्रा करवाने के लिए 'हरियाणा मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' शुरू की है। इसके तहत अब तक अलग-अलग जिलों से हरियाणा परिवहन विभाग की वोल्वो बसों के माध्यम से हजारों पात्र बुजुर्गों को अयोध्या सहित विभिन्न तीर्थ स्थलों के निशुल्क दर्शन करवाए जा चुके हैं। अब श्रद्धालुओं के लिए ट्रेन के माध्यम से भी तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाने की योजना बनाई गई है। इसी के अंतर्गत हरियाणा सरकार और आईआरसीटीसी के बीच समझौता ज्ञापन साइन किया गया है।

पांडुरंग ने बताया कि आईआरसीटीसी के साथ हुए समझौते के तहत हरियाणा से अयोध्या, वाराणसी, पटना साहिब, नांदेड़ साहिब, पुष्करजी, वैष्णो देवी तथा शिरड़ी व शनि शिंगणापुर तीर्थ स्थलों की यात्रा करवाने बारे समझौता हुआ है। जरूरत अनुसार और तीर्थ स्थल भी जोड़े जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एक ट्रेन में 11 कोच होंगे। इनमें से 10 कोच श्रद्धालुओं के लिए तथा एक कोच सर्विंग स्टाफ के लिए रहेगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए खाने-पीने की व्यवस्था, नजदीकी रेलवे स्टेशन से श्रद्धालुओं को तीर्थ स्थल तक पहुंचने के लिए बसों आदि का प्रबंध तथा ठहरने की व्यवस्था भी हरियाणा सरकार द्वारा निशुल्क की जाएगी।

संपादकीय

युद्ध की विभीषिका

युद्ध वास्तव में केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता, बल्कि उसका सबसे गहरा घाव मानवता की आत्मा पर लगता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज का विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ प्रगति की बातें तो बहुत होती हैं, लेकिन धरातल पर विनाश की पदचाप साफ सुनाई देती है। पिछले कुछ समय से अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया को अनिश्चितता के भंवर में धकेल दिया है। सच तो यह है कि इस संघर्ष के कारण चारों ओर हाहाकार मचा हुआ है और तबाही का मंजर करीब आता दिखाई दे रहा है। यह संघर्ष केवल दो-तीन देशों की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, मानवीय संवेदनाओं और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर भी पड़ रहा है।

युद्ध और आर्थिक तबाही: यह एक कड़वा सच है कि युद्ध का सबसे पहला और प्रत्यक्ष प्रहार आम आदमी की जेब और पेट पर होता है। मध्य-पूर्व दुनिया के तेल और गैस का प्रमुख केंद्र है। जब भी यहाँ युद्ध जैसी स्थिति बनती है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) बाधित हो जाती है। तेल और गैस की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि महंगाई को चरम पर पहुँचा देती है। एक गरीब परिवार के लिए दो वक्त की रोटी जुटाना भी कठिन हो जाता है, क्योंकि युद्ध के कारण परिवहन और उत्पादन की लागत बढ़ जाती है। यह आर्थिक संकट केवल एक देश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे विश्व के लिए साझा संकट बन जाता है।

अहम और विस्तारवाद की अंधी दौड़

युद्ध कभी भी अचानक नहीं होते; इनके पीछे लंबे समय से पल रही कुंठाएँ, विस्तारवादी नीतियाँ और शासकों की मनमानी होती है। जब देशों के बीच संवाद समाप्त हो जाता है और ह्यअहमह्म (इगो) बड़ा हो जाता है, तब कूटनीति के रास्ते बंद हो जाते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि आज परमाणु हथियारों की होड़ ने मानव जाति को विनाश के उस मुहाने पर खड़ा कर दिया है जहाँ एक छोटी-सी गलती पूरी सभ्यता को मिटा सकती है। धार्मिक कट्टरवाद, जातीय संघर्ष और सीमा विवाद जैसे मुद्दे आग में घी डालने का काम करते हैं। जब शासक अपनी शक्ति के प्रदर्शन में अंधे हो जाते हैं, तो वे यह भूल जाते हैं कि जिस धरती को जीतने की कोशिश कर रहे हैं, उसे रहने लायक भी नहीं छोड़ेंगे। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं रहे हैं। युद्ध केवल नए युद्धों का बीज बोते हैं। किसी भी संघर्ष में न कोई देश वास्तव में जीतता है और न ही कोई हारता है; अगर कुछ हारता है तो वह है मानवता। सच तो यह है कि युद्ध के मैदान में बारूद की गंध के बीच सबसे पहले करुणा और दया की बलि चढ़ती है। जब बम गिरते हैं, तो वे यह नहीं देखते कि नीचे कौन है। मलबे के ढेर पर बैठकर बिलखते बच्चे, अपनों को खो चुकी महिलाएँ और बेबस बुजुर्ग इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि युद्ध कितना क्रूर होता है। जो बच्चे आज खिलौनों से खेलना चाहते हैं, उनके हाथों में युद्ध ने नफरत और विनाश की यादें थमा दी हैं।

पश्चिम युद्ध के बीच भारत की रसोई गैस सुरक्षा पर बड़ा संकट

अजय कुमार

पश्चिम एशिया में भड़का युद्ध अब केवल भू-राजनीति का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि यह सीधे भारत की रसोई और अर्थव्यवस्था तक पहुंच चुका है। अमेरिका-ईरान संघर्ष और उसके बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पैदा हुई अस्थिरता ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। इसी खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने रसोई गैस यानी एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए असाधारण कदम उठाए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं और अतिरिक्त उत्पादन को घरेलू खपत के लिए आरक्षित करने का फैसला किया है। यह कदम बताता है कि संकट की स्थिति में सरकार की पहली प्राथमिकता आम नागरिकों की रसोई को सुरक्षित रखना है। भारत की ऊर्जा संरचना का एक बड़ा सच यह है कि देश अपनी जरूरतों के मुकाबले एलपीजी का पर्याप्त उत्पादन नहीं करता। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में भारत में कुल 31.3 मिलियन टन एलपीजी की खपत हुई, जबकि घरेलू उत्पादन केवल 12.8 मिलियन टन रहा। यानी देश की कुल जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात के सहारे पूरा होता है। यही वजह है कि जब भी खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ती है तो उसका असर सीधे भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ता है।भारत

के लिए यह निर्भरता इसलिए भी जोखिमपूर्ण है क्योंकि एलपीजी का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। अनुमान है कि भारत के एलपीजी आयात का लगभग 85-90 प्रतिशत हिस्सा सऊदी अरब, कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से आता है। इन सभी देशों से आने वाली ऊर्जा आपूर्ति का मुख्य मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज है, जो विश्व ऊर्जा व्यापार की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री गलियों में से एक है।

जब यह मार्ग युद्ध या तनाव के कारण बाधित होता है तो पूरी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो जाती है।मौजूदा संघर्ष में भी यही स्थिति पैदा हुई है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण इस समुद्री मार्ग में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इससे वैश्विक तेल और गैस बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है और कई देशों ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। भारत ने भी इसी पृष्ठभूमि में एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन प्रावधानों का सहारा लिया है।

सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर नियंत्रित करने का फैसला किया है।

इसके तहत घरेलू रसोई गैस की सप्लाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। साथ ही पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी की आपूर्ति को भी 100 प्रतिशत सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा उर्वरक संयंत्रों को लगभग 70 प्रतिशत और उद्योगों को लगभग 80 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराने की व्यवस्था तय की गई है।इन कदमों का उद्देश्य स्पष्ट है कि अगर ऊर्जा संकट गहराता है तो सबसे पहले घरों और परिवहन क्षेत्र को गैस मिलेगी, उसके बाद उद्योगों और अन्य क्षेत्रों को। सरकार ने एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए 25 दिन का इंटर-बुकिंग नियम भी लागू किया है, ताकि कोई भी उपभोक्ता तय समय से पहले सिलेंडर बुक न कर सके।लेकिन इस नीति का असर व्यावसायिक क्षेत्रों पर दिखने लगा है। देश के कई शहरों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति घटने लगी है। होटल और रेस्टोरेंट उद्योग से जुड़े संगठनों का कहना है कि कई स्थानों पर कमर्शियल गैस की सप्लाई 10 से 20 प्रतिशत तक कम हो गई है। इससे खासतौर पर छोटे और मध्यम आकार के होटल-रेस्टोरेंट पर बड़ा दबाव पड़ा है, जो रोज मिलने वाली गैस सप्लाई पर ही निर्भर रहते हैं।कुछ शहरों में स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि होटल संगठनों ने कारोबार बंद होने की चेतावनी तक दे दी है। उनका कहना है कि अगर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति नहीं होती तो कई रेस्टोरेंट अगले कुछ दिनों में बंद होने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसका असर केवल कारोबारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन लाखों कर्मचारियों और ग्राहकों पर भी पड़ेगा जो रोजमर्रा के भोजन के लिए इन प्रतिष्ठानों पर निर्भर हैं।सरकार ने इस समस्या को देखते हुए तेल विपणन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति भी बनाई है।

यह समिति होटल, रेस्टोरेंट और अन्य उद्योगों की गैस जरूरतों की समीक्षा करेगी और तय करेगी कि सीमित संसाधनों के बीच इन क्षेत्रों को कितनी आपूर्ति दी जा सकती है। दरअसल यह संकट केवल तत्कालीन आपूर्ति का नहीं, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति का भी सवाल है।

पिछले एक दशक में देश में एलपीजी की खपत तेजी से बढ़ी है। उज्वला योजना और शहरीकरण के कारण करोड़ों नए परिवार गैस पर निर्भर हो गए हैं। यही वजह है कि एलपीजी की मांग लगातार बढ़ रही है और आयात पर निर्भरता भी बढ़ती जा रही है।ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को भविष्य में ऐसे संकटों से बचने के लिए कई स्तरों पर तैयारी करनी होगी। सबसे पहला कदम घरेलू उत्पादन बढ़ाने का है। इसके लिए नई रिफाइनरियों, गैस प्रोसेसिंग संयंत्रों और पेट्रोकेमिकल ढांचे में निवेश बढ़ाना होगा। दूसरा महत्वपूर्ण कदम ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना है, ताकि खाड़ी क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके।इसके अलावा एलपीजी के रणनीतिक भंडार तैयार करने की जरूरत भी लंबे समय से महसूस की जा रही है। जिस तरह भारत ने कच्चे तेल के लिए रणनीतिक भंडारण बनाए हैं, उसी तरह एलपीजी के लिए भी बड़े भंडार तैयार किए जाएं तो संकट की स्थिति में कुछ महीनों तक घरेलू जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सकता है।पश्चिम एशिया का मौजूदा युद्ध शायद कुछ समय बाद खत्म हो जाए, लेकिन इसने भारत को एक अहम सबक जरूर दिया है।

ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा सवाल है। जब वैश्विक भू-राजनीतिक संकट पैदा होता है तो उसका असर सबसे पहले आम नागरिक की रसोई पर पड़ता है। भारत के सामने चुनौती यही है कि वह इस संकट को चेतावनी के रूप में ले और अपनी ऊर्जा नीति को अधिक मजबूत और आत्मनिर्भर बनाए। क्योंकि जब तक देश अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहेगा, तब तक दुनिया के किसी भी कोने में भड़की आग उसकी रसोई तक पहुंचती रहेगी।

दूर का युद्ध, पास का असर: तेल संकट और भारत की चिंता

प्रो. आरके जैन

तेल के वैश्विक बाजार में आई उथल-पुथल ने भारत के शहरी जीवन और अर्थव्यवस्था के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। जब कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार पहुँचीं, तो इसका असर केवल आर्थिक आँकड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सीधे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में दिखने लगा। बेंगलुरु जैसे बड़े महानगर में हजारों रेस्तरां द्वारा 10 मार्च से शहरव्यापी बंद की चेतावनी इस संकट की गंभीरता को उजागर करती है। होटल उद्योग का कहना है कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित हो गई है और यदि यह स्थिति जल्दी नहीं सुधरी तो शहर की खाद्य सेवाओं की निरंतरता पर गंभीर असर पड़ सकता है। यह केवल व्यापारिक समस्या नहीं, बल्कि लाखों लोगों की दैनिक भोजन व्यवस्था और हजारों कर्मचारियों के रोजगार से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। युद्ध की आग में झुलसता मध्य पूर्व इस संकट की वास्तविक पृष्ठभूमि है। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को अस्थिर कर बाजार में घबराहट फैला दी है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार संघर्ष बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत अचानक उछलकर 119.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई और 9 मार्च 2026 को लगभग 105 से 107 डॉलर प्रति बैरल के बीच स्थिर हुई। यह उछाल सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराते गंभीर खतरे का संकेत है। युद्ध के शुरूआती दिनों में ही तेल की कीमतों में लगभग 35 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज हुई, जिसने ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों की चिंता और बढ़ा दी है। दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री मार्गों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इस संकट का केंद्र बन गया है। वैश्विक तेल व्यापार का लगभग पाँचवाँ हिस्सा और एलएनजी की बड़ी मात्रा इसी संकीर्ण जलमार्ग से गुजरती है। युद्ध और बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के कारण यहां से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही अनिश्चित हो गई है, जिससे आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ी है। कई शिपिंग कंपनियों ने अतिरिक्त सुरक्षा कारणों से सेवाएँ सीमित कर दी हैं और बीमा प्रीमियम भी तेजी से बढ़ गए हैं। परिणामस्वरूप तेल परिवहन की लागत बढ़ी और वैश्विक बाजार में कीमतें और ऊपर चली गईं। यही वजह है कि ऊर्जा बाजार में अस्थिरता लगातार बनी हुई है। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। देश अपनी कुल तेल जरूरतों का लगभग 85 से 90 प्रतिशत आयात करता है और इसका बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व से आता है। ऐसे में इस क्षेत्र में युद्ध या आपूर्ति संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है।

फॉलोअर्स की भूख और रिश्तों की नीलामी

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल युग ने अभिव्यक्ति के नए दरवाजे खोले हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात दुनिया तक पहुँचाने का अवसर दिया है। पहले जहां सूचना और मनोरंजन के साधन सीमित थे, वहीं आज कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फोन के जरिए वीडियो बना सकता है, ब्लॉग लिख सकता है और लाखों लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकता है। यह बदलाव लोकतांत्रिक भी है और प्रेरणादायक भी। लेकिन हर बदलाव के साथ कुछ नई चुनौतियाँ भी जन्म लेती हैं।

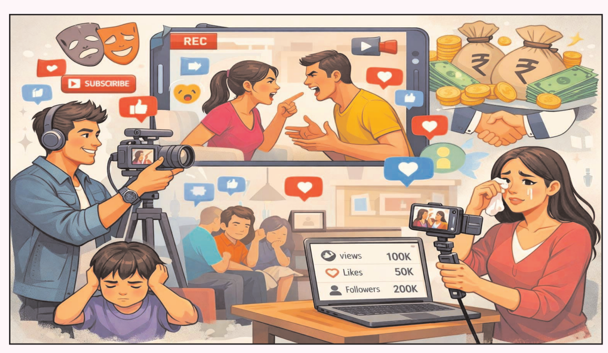

आज सोशल मीडिया की दुनिया में लोकप्रियता की एक नई परिभाषा बन चुकी है—फॉलोअर्स, लाइक्स, शेयर और व्यूज। जितने ज्यादा ये आंकड़े होते हैं, उतना ही किसी व्यक्ति को सफल माना जाता है। इसी होड़ ने कई कंटेंट क्रिएटर्स को ऐसी राह पर ला खड़ा किया है, जहां निजी जीवन की मर्यादाएं भी कंटेंट का हिस्सा बनती जा रही हैं। बीते कुछ वर्षों में एक नया ट्रेंड तेजी से उभरा है—पारिवारिक झगड़ों और निजी विवादों को कैमरे के सामने लाकर सोशल मीडिया पर साझा करना। पति-पत्नी के विवाद, भाई-बहन के मतभेद, सास-बहू की तकरार या परिवार के अंदर की छोटी-छोटी बहसें—जो पहले घर की चारदीवारी में सुलझा ली जाती थीं—अब वीडियो और पोस्ट के रूप में लाखों दर्शकों के सामने परोसी जा रही हैं।

कई यूट्यूबर्स और ब्लॉगर इसे रियल लाइफ कंटेंट का नाम देते हैं। उनका तर्क होता है कि दर्शक वास्तविकता देखना चाहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर वास्तविक घटना को सार्वजनिक करना जरूरी है? क्या निजी रिश्तों को दर्शकों की जिज्ञासा के लिए खोल देना उचित है? असल में सोशल मीडिया का एल्गोरिथ्म भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। जिस कंटेंट में विवाद, भावनात्मक प्रतिक्रिया या सनसनी होती है, वह तेजी से वायरल होता है। लोग ऐसे वीडियो पर ज्यादा कमेंट करते हैं, अपनी राय देते हैं और कभी-कभी पक्ष या विपक्ष में बहस भी करते हैं। यही कारण है कि कुछ क्रिएटर्स जानबूझकर ऐसे विषय चुनते हैं जो लोगों की भावनाओं को भड़का सकें। दुर्भाग्य की बात यह है कि कई बार ये झगड़े वास्तविक होते हैं और परिवार के सदस्यों की निजता दांव पर लग जाती है। एक छोटी सी तकरार को कैमरे के सामने लाकर बड़ा मुद्दा बना दिया जाता है। इससे न केवल रिश्तों की गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों—विशेषकर बच्चों—पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। कुछ मामलों में तो यह भी देखने में आया है कि विवादों को जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है या फिर पूरी तरह से स्क्रिप्टेड होता है। यानी झगड़ा असली नहीं होता, लेकिन उसे असली दिखाने की कोशिश की जाती है ताकि दर्शकों का ध्यान खींचा जा सके। यह स्थिति मनोरंजन और वास्तविकता के बीच की रेखा को धुंधला कर देती है। सोशल मीडिया के इस दौर में वायरल होना ही सफलता का पर्याय बन गया है। जब किसी वीडियो को लाखों व्यूज मिलते हैं और हजारों नए फॉलोअर्स जुड़ते हैं, तो क्रिएटर को लगता है कि उसने सही रास्ता चुना है। लेकिन यह लोकप्रियता अक्सर क्षणिक होती है। जिस विवाद ने एक दिन दर्शकों का ध्यान खींचा, वही अगले दिन किसी और नए विवाद से दब जाता है।इस प्रवृत्ति का एक सामाजिक पहलू भी है। जब दर्शक बार-बार ऐसे कंटेंट देखते हैं, तो धीरे-धीरे उन्हें यह सामान्य लगने लगता है कि निजी रिश्तों को सार्वजनिक मंच पर लाकर चर्चा का विषय बनाया जाए। इससे समाज में गोपनीयता और मर्यादा की भावना कमजोर पड़ सकती है। हमारे समाज में परिवार को हमेशा एक मजबूत संस्था माना गया है। परिवार केवल साथ रहने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, विश्वास और आपसी समझ का आधार भी है। जब परिवार के अंदर की समस्याओं को सार्वजनिक तमाशा बना दिया जाता है, तो यह उस भरोसे को कमजोर करता है जो रिश्तों की नींव होता है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर आने वाले दर्शकों में बड़ी संख्या युवा और किशोरों की भी होती है। वे जो कुछ देखते हैं, उससे प्रभावित होते हैं। अगर वे बार-बार यह देखेंगे कि लोकप्रियता पाने के लिए निजी विवादों को सार्वजनिक करना सामान्य बात है, तो उनके मन में भी यही धारणा बन सकती है कि जीवन में सफलता के लिए किसी भी हद तक जाना स्वीकार्य है। यह भी सच है कि सभी कंटेंट क्रिएटर्स ऐसे नहीं होते। बहुत से यूट्यूबर्स, ब्लॉगर और डिजिटल क्रिएटर्स ऐसे भी हैं जो ज्ञानवर्धक, रचनात्मक और सकारात्मक सामग्री प्रस्तुत करते हैं। शिक्षा, विज्ञान, कला, संस्कृति, यात्रा और सामाजिक मुद्दों पर काम करने वाले अनेक लोग सोशल मीडिया को एक सकारात्मक मंच के रूप में

वैश्विक सहिष्णुता का मार्ग शस्त्रों से नहीं शांतिपूर्ण सह अस्तित्व से ही संभव

विवेक रंजन श्रीवास्तव

धर्म और आस्था सदैव से मानवीय चेतना का आधार रहे हैं, लेकिन समय के साथ एक ही विचार की कई धाराएं बन जाती हैं। जैसे एक ही वृक्ष से निकली विभिन्न शाखाएं अलग-अलग दिशाओं में फैलती हैं, वैसे ही दुनिया के हर बड़े धर्म में उप-संप्रदाय विकसित हुए। ईसाई धर्म में जहाँ 'कैथोलिक' और 'प्रोटेस्टेंट' के बीच ऐतिहासिक संघर्ष रहे, वहीं बौद्ध धर्म 'हीनयान' और 'महायान' में बँटा। जैन धर्म में 'दिगंबर' और 'श्वेतांबर' की अपनी परंपराएं हैं। यह विभाजन अक्सर मूल सिद्धांतों पर नहीं, बल्कि उत्तराधिकार और व्याख्याओं के मतभेद से उत्पन्न होता है। इस्लाम धर्म भी इसका अपवाद नहीं है, जहाँ 'सुन्नी' और 'शिया' दो ऐसी धाराएं हैं जिनका इतिहास आज पूरी दुनिया की राजनीति को प्रभावित कर रहा है।

इस्लाम में इस विभाजन की नींव पैगंबर मोहम्मद के बाद उनके उत्तराधिकार के प्रश्न पर पड़ी। सुन्नी समुदाय, जो कुल मुस्लिम जनसंख्या का लगभग 85 से 90 प्रतिशत है, 'सुन्ना' यानी पैगंबर की परंपराओं में विश्वास रखना है। उनका मानना है कि पैगंबर के बाद समुदाय के सबसे योग्य व्यक्ति (खलीफा) को नेतृत्व करना चाहिए था। इसके विपरीत, शिया समुदाय का मानना है कि नेतृत्व का अधिकार केवल पैगंबर के परिवार, विशेषकर उनके दामाद हजरत अली और उनके वंशजों को ही था।

आज ये दोनों समुदाय दुनिया भर में फैले हुए हैं। सुन्नी जनसंख्या मुख्य रूप से इंडोनेशिया (लगभग 23 करोड़), पाकिस्तान (20 करोड़), सऊदी अरब और मिस्र जैसे देशों में बहुसंख्यक है। वहीं, शिया समुदाय ईरान (लगभग 8 करोड़), इराक, अजरबैजान और बहरीन जैसे देशों में प्रमुखता से है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जब हम ईरान और मध्य-पूर्व के युद्धों को देखते हैं, तो यह केवल धार्मिक मतभेद नहीं रह जाता। ईरान आज दुनिया का सबसे शक्तिशाली शिया राष्ट्र है, जबकि सऊदी अरब खुद को सुन्नी जगत का केंद्र मानता है। इनके बीच का संघर्ष असल में 'क्षेत्रीय वर्चस्व' की लड़ाई है।

ईरान अपना प्रभाव इराक, सीरिया और यमन तक बढ़ाना चाहता है, जिसे सुन्नी देश अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानते हैं। हालांकि, इतिहास में शांति की कोशिशें भी हुई हैं। सन 1990 के दशक में सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंधों को सुधारने के लिए 'अकबा समझौता' हुआ था, और हाल ही में 2023 में चीन की मध्यस्थता से दोनों देशों ने अपने राजनयिक संबंध फिर से बहाल किए हैं। ये छोटे कदम बताते हैं कि कूटनीति से बड़ी से बड़ी दरार भरी जा सकती है।

नेपाल में ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन और भारत

मृत्युंजय दीक्षित

भारत के अहम पड़ोसी राष्ट्र नेपाल में युवाओं के व्यापक आंदोलन के बाद संपन्न हुए चुनावों के परिणाम आ चुके हैं। काठमांडू के पूर्व मेयर रैपर बालेन शाह का नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बनना निश्चित हो चुका है। नेपाल के इतिहास में पहली बार किसी राजनैतिक दल को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ है अतः अब देश में विकास की धारा बहने की आशा भी बलवती है।

नेपाल विगत दो दशकों से राजनैतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा था जिसके कारण वहां भ्रष्टाचार चरम पर पहुँच गया था और जनता त्रस्त थी। नेपाल के चुनाव परिणाम बताते हैं कि देश कोई भी हो जनता राजनैतिक अस्थिरता, परिवारवाद व नेताओं व दलों के मध्य बारंबार होने वाले अनैतिक गठबंधनों को पसंद नहीं करती है, उसको जैसे ही अवसर

मिलता है वह परंपरागत दलों को हटाकर नया विकल्प चुन लेती है फिर चाहे यह विकल्प अनुभवहीन ही क्यों न हो। नेपाल को पहली बार ओली और प्रचंड की नूरा कुश्ती से स्वतंत्रता मिली है। नेपाल के वामपंथी दलों ने गठबंधन बनाकर स्वयं को जीवित रखने का प्रयास किया था किंतु नेपाल की जनता ने उन्हें पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखाकर बता दिया कि अब वामपंथ की दुनिया उजड़ रही है। नेपाल की प्रतिनिधि सभा में 275 सदस्य होते हैं जिसमें 164 सदस्य सीधे मतदान के माध्यम से चुने जाते है। इन चुनावों में बालेन शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 120 सीटों पर विजय प्राप्त कर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है जबकि दशकों तक राज करने वाली नेपाली कांग्रेस को मतदाताओ के आक्रोश का सामना करना पड़ा और वह मात्र 17 सीटो पर ही सिमट कर रह गई । कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी केवल सात-सात सीटों पर ही सिमट कर रह गईं। नेपाल में चुनाव मतपत्र के माध्यम से कराए जाते हैं और वहां इस बार 60 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग कर ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन किया है।

कौन हैं बालेन शाह - रैपर से काठमांडू के मेयर बने बालेन शाह मधेशी समाज के नेता हैं जो पहली बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। दस वर्ष पूर्व तक किसी मधेशी नेता का प्रधानमंत्री बनना अकल्पनीय था। मधेशी लोगों की भाषा ,संस्कृति और रहन -सहन भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों से बहुत मिलता है। ये लोग मुख्य रूप से मधेश या तराई क्षेत्र में रहते हैं जो नेपाल और भारत का सीमावर्ती क्षेत्र है। मधेशी समुदाय में मैथिली, भोजपुरी, अवधी और हिंदी जैसी भाषाएं बोलने वाले लोग हैं। लंबे समय तक नेपाल की राजनीति में इन्हें प्रतिनिधित्व और अधिकारों को लेकर संघर्ष करना पड़ा जिसके कारण कई बार अलग मधेश राज्य बनाने की मांग को लेकर तीव्र आंदोलन हुए। अब पहली बार एक मधेशी नेता को वहां का प्रधानमंत्री बनने का अवसर प्राप्त होने जा रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान बालेन ने स्वयं को मधेश का बेटा बताया था और उनकी पार्टी ने, अबकी बार बालेन सरकार नारे के साथ अभियान प्रारंभ किया था। मधेश प्रांत के आठ जिलों की कुल 32सीटों में अधिकतर पर स्वतंत्र पार्टी को भारी सफलता प्राप्त हुई है। जेन- जी के व्यापक समर्थन से नेपाल के नए प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेन शाह के समक्ष अनेक चुनौतियां भी हैं। नेपाल में भड़के जन आंदोलन के दौरान सबसे बड़ा मुद्दा युवाओं के लिए रोजगार की भारी कमी, पलायन का और भ्रष्टाचार का था।

सामाजिक सद्भाव को खतरे में डालती विघटनकारी शक्तियां

डॉ.सुधाकर आशावादी

सब है पीतल यहाँ, कोई कंचन नहीं, धूल ही धूल है, आज चंदन नहीं, देश की सबको चिंता बहुत है मगर, पर दिशा कुछ नहीं, कोई चिंतन नहीं। आज देश उस मुहाने पर खड़ा है, जहाँ अलगाववादी तत्व अपने मंसूबों से देश में अराजकता का वातावरण बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं। राजनीतिक दल अपना अस्तित्व बचाने के लिए अराजकता को प्रोत्साहन दे रहे हैं। उन्हें जन समस्याओं के निस्तारण और जन आकांक्षाओं की पूर्ति से कोई सरोकार नहीं है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर जगह जगह आयोजित किए जाने वाले धरना प्रदर्शनों के लिए किराये के प्रदर्शनकारी जुटाने का चलन बढ़ गया है। गरीब मजदूरों के हाथ में विरोध पट्टिकाएं थमाकर यह तक नहीं बताया जाता कि विरोध प्रदर्शन किस कारण किया जा रहा है। बहरहाल यह तस्वीर का एक पहलू है। दूसरा पहलू यह भी है कि राजनीति में दोमुंहे साँपों की संख्या बढ़ रही है। धर्म और जाति के नाम पर राजनीति करने वाले,स्वार्थ को सर्वोपरि मानते हुए, जातीय और धार्मिक गठजोड़ की संभावना तलाशते हुए अपने मतलब के विमर्श गढ़ते हैं।

जहाँ इन्हें अपना स्वार्थ सिद्ध होता हुआ दिखाई देता है, वहीं ये दोमुंहे सांप राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए दौड़ जाते हैं, जहाँ इन्हें लगता है कि घटना इनके राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध करने में सहायक नहीं हो सकती, वहां से ऐसे तत्व दूरी बना लेते हैं। विडंबना है कि स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों से लेकर सामाजिक क्षेत्रों में हर छोटी बड़ी घटना को जातीय रंग देकर जिस प्रकार से सामाजिक सद्भाव में सेंध लगाई जा रही है तथा ऐसे तत्वों के विरुद्ध समुचित दंडात्मक कार्यवाही नहीं की जा रही है, उससे लगता है, कि या तो संवैधानिक न्याय में कोई कमी है या कार्यपालिका लापरवाह है, जो अराजकता फैलाने वाले तत्वों के प्रति नतमस्तक है। सर्वविदित है, कि आम आदमी को जातीय संकीर्णता से कोई सरोकार नहीं है। मंदिर,मस्जिद,गुरूद्वारे या गिरजाघर के प्रति यदि विशेष सम्मान नहीं है, तो धर्म स्थलों एवं किसी भी पूजा पद्धति से आम आदमी का विरोध भी नहीं है। फिर भी समाज में ऐसे तत्वों का बोलबाला है, जो प्रत्येक घटना में जाति और धर्म ढूँढ़कर नागरिकों को आपस में भिड़ाने का षड्यंत्र रचते रहते हैं। जनप्रतिनिधियों की उदासीनता एवं चुप्पी इस अराजकता को बढ़ाने में अप्रत्यक्ष योगदान देती है।

ऐसे में जब तक विघटनकारी शक्तियों और संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति करने वाले दोमुंहे साँपों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करके उन्हें राष्ट्रद्रोह का दोषी मानते हुए सजा नहीं दी जाती, देश में सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की कल्पना नहीं की जा सकती।

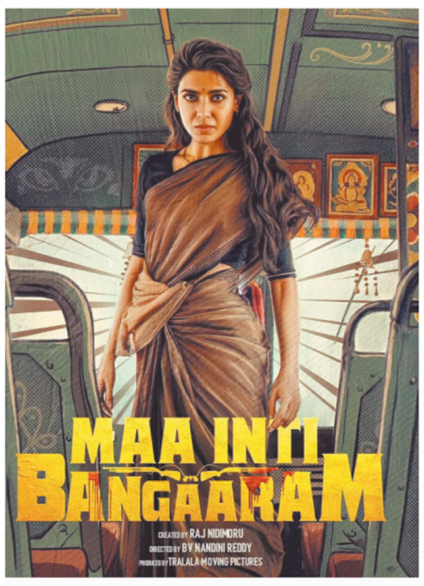

मई में दस्तक देगी सामंथा की फिल्म मां इंटी बंगारम

अपनी शादी के बाद सामंथा रुथ प्रभु जल्द पर्दे पर वापसी को तैयार हैं। वे अपनी आगामी फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसका टीजर बीते दिनों रिलीज हुआ था। अब एक नए पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया गया है।

सामंथा रुथ की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' इस साल मई में रिलीज होगी। एक्ट्रेस ने आज इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का नया पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ रिलीज डेट का खुलासा किया है। यह फिल्म 15 मई 2026 को रिलीज हो रही है। सामंथा ने कैप्शन लिखा है, 'इस गर्मी में थिएटर में मिलते हैं। 'मां इंटि बंगाराम' दुनियाभर में बड़े स्तर पर रिलीज होगी'।

पति राज निदिमोरू ने किया प्रोड्यूस

सामंथा की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का निर्माण सामंथा के पति राज निदिमोरु ने किया है, जबकि फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। नंदिनी और सामंथा की जोड़ी 'ओह! बेबी' के बाद दोबारा साथ में लौटी है। सामंथा के साथ फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंथ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म के टीजर में दिखाया गया था कि एक महिला (सामंथा) अपने पति के साथ ससुराल पहुंचती है। वह आत्मविश्वास से वादा करती है कि एक हफ्ते के भीतर वह उनका दिल जीत लेगी। एक आदर्श बहू बनने की कोशिश में वह एक पूरी तरह से कमीशन जांच शुरू कर देती है। हालांकि, वह अपने ससुराल वालों के सामने मासूम और शांत दिखती है। टीजर में सामंथा को एक दमदार एक्शन रोल में दिखाया गया है। उन्हें अकेले ही गुंडों को ढेर करते, भीषण गोलीबारी में शामिल होते और बाद में लाशों को ठिकाने लगाकर खून-खराबे को छिपाते हुए देखा जा सकता है। टीजर शेयर करते हुए सामंथा ने कैप्शन में लिखा, 'यह गोल्ड बेहद बोल्ड है।' टीजर दर्शकों को काफी पसंद आया।

कृति सेनन की ट्रोलिंग पोस्ट को लाइक करने पर यामी ने तोड़ी चुप्पी

पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया

पिछले दिनों यामी गौतम ने कृति सेनन को ट्रोल करने वाली एक पोस्ट को लाइक दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर इन्हें लेकर बातें होने लगी हैं। यामी ने इस पूरे मामले पर अब अपना पक्ष रखा है।

हाल ही में मुंबई में हुए एक अवॉर्ड फंक्शन में 'तेरे इश्क में' के लिए एक्ट्रेस कृति सेनन को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। सोशल मीडिया पर कई लोगों का मानना था कि 'हक' फेम एक्ट्रेस यामी गौतम इस अवॉर्ड की हकदार थीं। ऐसी ही एक पोस्ट को यामी गौतम ने लाइक कर दिया। इसके बाद यामी और कृति सेनन के फैंस सोशल मीडिया पर आपस में भिड़ गए। हाल ही में उस पोस्ट को लाइक करने के बारे में यामी गौतम ने चुप्पी तोड़ी है। यामी गौतम ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए पूरे विवाद को लेकर सफाई दी। वह अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मुझे पता चला है कि मैंने एक रील को 'लाइक' किया है, जो दूसरी एक्ट्रेस को ट्रोल कर रही थीं। हमें हर दिन कई चीजों में टैग किया जाता है। यह पोस्ट भी किसी भी दूसरे टैग की तरह एक अवॉर्ड फंक्शन की थी। यह सच नहीं है और उस पोस्ट को जानबूझकर लाइक किया गया। यह गलती से क्लिक हो सकता है।'

सिर्फ काम पर फोकस करती हैं यामी

वह आगे अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी सस्ती पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया। मैंने हमेशा अपने काम पर फोकस किया है और आगे बढ़ी हूं। क्लिकबेट की दुनिया में बड़े सोशल मीडिया पोर्टल्स द्वारा इस बात को गॉसिप में बदलना हैरान करता है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि वो लोग इस बात पर विचार करेंगे कि मैंने इससे बेहतर इज्जत कमाई है।' यामी ने यह भी बताया कि उनकी कोई पीआर टीम नहीं है। वह कहती हैं, 'मेरी कोई पीआर टीम नहीं है। मैंने अवॉर्ड शो पर बहुत पहले ही अपना स्टैंड क्लियर कर दिया है। मैं अपने काम पर फोकस करती हूं।'

'धुरंधर 2' का हिस्सा होंगी यामी गौतम

पिछले साल यामी गौतम फिल्म 'हक' में नजर आई थीं। यह फिल्म 1985 में मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम केस पर आधारित थी। फिल्म में महिलाओं के हक की बात की गई है। फिल्म 'धुरंधर 2' में भी यामी गौतम नजर आ सकती हैं। इस फिल्म को उनके पति और डायरेक्टर आदित्य धर ने बनाया है।

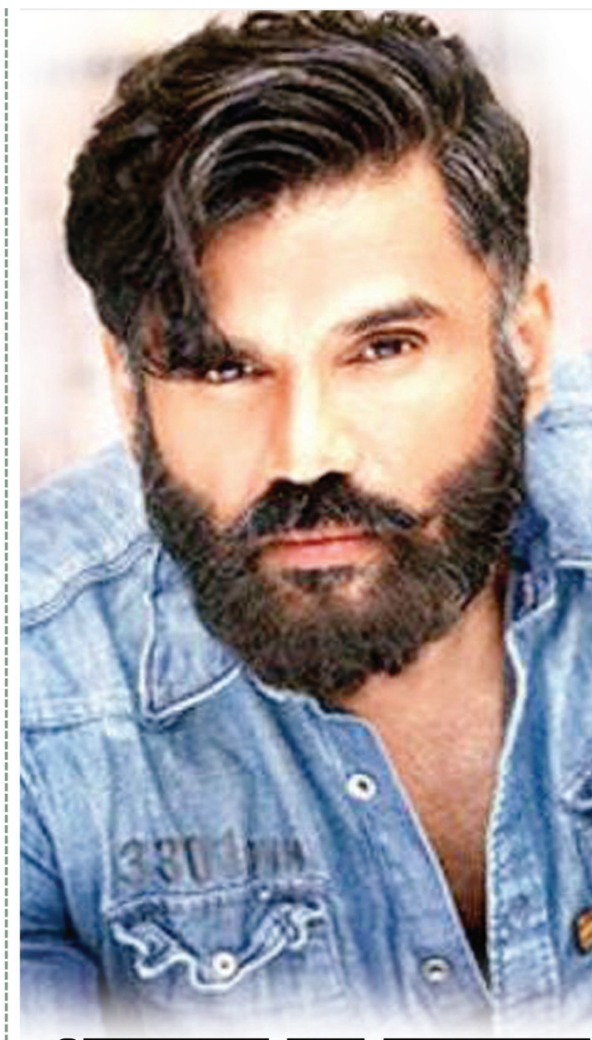

शाहरुख का स्टारडम सबसे अलग है?

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को इंडस्ट्री का आखिरी सुपरस्टार भी माना जाता है। शाहरुख की लोकप्रियता आज भी उतनी ही है। आज भी उनकी फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन आखिर ऐसा क्या है कि कोई और इंडियन स्टार शाहरुख जैसी लोकप्रियता और फैन फॉलोइंग हासिल नहीं कर पाया? इसको लेकर सुनील शेट्टी ने अपनी राय दी और बताया कि आखिर क्या है जो शाहरुख को बाकी कलाकारों से अलग बनाता है?

एक पॉडकास्ट में बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी से पूछा गया कि शाहरुख खान जैसी स्टारडम कोई और अभिनेता क्यों नहीं हासिल कर पाया? इस पर सुनील शेट्टी ने कहा कि क्योंकि उनके पास संगीत था। भारत में म्यूजिक का बहुत महत्व है। उनके साथ यश जी (यश चोपड़ा) थे और बेहतरीन गाने थे। अपने काम के प्रति उनकी लगन। लगातार खुद को नए रूप में ढालना, उनकी शालीनता। मानवीय दृष्टि से वे परिपूर्ण हैं। वो जो सम्मान देते हैं और जिसकी अपेक्षा करते हैं, जरूरत पड़ने पर वो हमेशा मौजूद रहते हैं। वो सोशल मीडिया के चक्कर में नहीं पड़ते। वो पोस्ट करने में विश्वास नहीं रखते। उनमें पुराने जमाने का वो आकर्षण है, जो पहले के कई सितारों में हुआ करता था।

सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते शाहरुख

सुनील शेट्टी ने आगे आजकल के एक्टर्स की सोशल मीडिया पर बढ़ती निर्भरता पर कहा कि इस पीढ़ी के बच्चे मानते हैं कि सोशल मीडिया ही आगे बढ़ने का रास्ता है। खबरें फैलानी जरूरी हैं। लेकिन ये लोग ऐसे नहीं हैं। रणबीर की तरह, शाहरुख का आकर्षण यही है कि वो सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते। वो वहीं होते हैं जहां उनका काम होता है। उनका काम बोलता है, बाकी आप कल्पना कर सकते हैं।

शाहरुख की 'किंग' का फैंस को है इंतजार

शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, जयदीप अहलावत और अभिषेक बच्चन सरीखे कई अन्य स्टार्स भी दिखाई देंगे। यह फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज होगी।

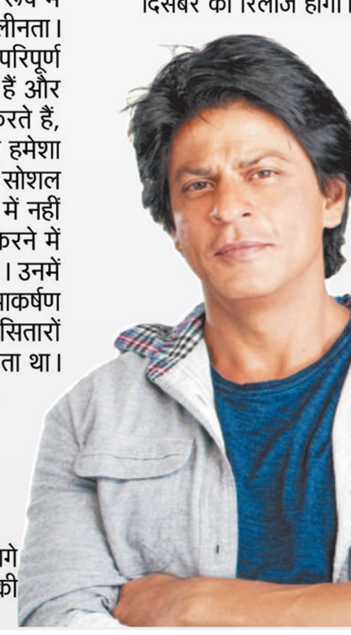

क्या डेट कर रहे हैं तृषा और विजय

तमिलनाडु से एक बड़ी खबर सामने आई। एक्टर विजय की पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की है। तलाक याचिका के मुताबिक, संगीता ने विजय पर बेवफाई का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि विजय का एक अभिनेत्री के साथ 'अवैध संबंध' था। इस मामले के बाद सोशल मीडिया पर लोग एक एक्ट्रेस से विजय का नाम जोड़ रहे हैं।

संगीता की तलाक की अर्जी में किसी एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि कहीं वह इशारा विजय और तृषा कृष्णन की ओर तो नहीं था। अब सोशल मीडिया पर इसी बात की चर्चा हो रही है कि क्या विजय और तृषा की कथित नजदीकियां ही उनके तलाक की वजह बनीं? कुछ लोग विजय को उनकी शादी में बेवफाई का दोष दे रहे हैं, तो कुछ सीधे तौर पर तृषा को इस अलगाव के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। एक्स पर इस मामले को लेकर कई तरह के पोस्ट वायरल हो रहे हैं।

साथ में कई फिल्में कर चुके हैं विजय और तृषा

विजय और तृषा की जोड़ी लंबे समय से तमिल सिनेमा की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक रही है। 'घिल्ली'), 'थिरुपाची', 'आथि' और 'कुरुवी' जैसी फिल्मों में दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि 'कुरुवी' के बाद दोनों ने अचानक साथ काम करना बंद कर दिया, जिसके बाद अफवाहों का दौर शुरू हो गया। कहा गया कि 'घिल्ली' के दौरान उनकी दोस्ती कुछ ज्यादा गहरी हो गई थी। यहां तक कि यह भी चर्चा रही कि विजय के परिवार ने उन्हें तृषा से दूरी बनाने की सलाह दी थी। हालांकि विजय और तृषा दोनों ने हमेशा इन अफवाहों को खारिज किया और कहा कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

राज शांडिल्य ने एकता कपूर के लीगल नोटिस को बताया बेबुनियाद

'भागम भाग 2' को लेकर निर्देशक राज शांडिल्य और प्रोड्यूसर एकता कपूर के बीच कानूनी विवाद पैदा हो गया है। इसके चलते फिल्म की शूटिंग टलने की खबरें हैं। अब निर्देशक ने फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट साझा की है। साथ ही लीगल नोटिस पर भी प्रतिक्रिया दी है।

अक्षय कुमार और परेश रावल स्टारर 'भागम भाग 2' को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। फिल्म की शूटिंग भी मार्च के महीने में ही शुरू होने वाली थी। लेकिन अचानक फिल्म के निर्देशक राज शांडिल्य और प्रोड्यूसर एकता कपूर के बीच लीगल टसल शुरू हो गई। जिसके चलते अब शूटिंग फिलहाल टल गई है। एकता कपूर से लीगल नोटिस मिलने के बाद अब निर्देशक राज शांडिल्य ने एक बयान जारी कर इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की गई और उन्हें अविश्वास का सामना करना पड़ा।

सिर्फ डराने धमकाने का प्रयास

राज शांडिल्य ने 2019 में एकता कपूर के साथ तीन फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट किया था। लेकिन बाद में निर्देशक ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया, जिसके बाद एकता कपूर ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा। अब राज ने वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट में अपना बयान साझा किया है। रिपोर्ट में इस मामले पर राज के बयान में कहा गया, 'मैंने अपने संविदात्मक अधिकारों (कॉन्ट्रैक्चुअल राइट्स) के अनुसार, बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का नोटिस जारी किया था। इस नोटिस को जारी किए हुए अब दो सप्ताह से अधिक समय हो चुका है।

अगर बालाजी टेलीफिल्म्स को लगता कि उनके पास कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस कानूनी आधार है, तो वो कोर्ट में जा सकते हैं। ऐसी कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है। इसके बजाय, अब जो सामने आया है वह मामले को तूल देने और गलत क्रिमिनल आरोप लगाने का प्रयास है। ये आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस मामला न होने का एहसास होने के बाद डराने-धमकाने का एक प्रयास मात्र प्रतीत होते हैं।'

फिल्म तय समय पर आगे बढ़ रही है

निर्देशक के बयान में आगे कहा गया, 'मुझे अपनी कानूनी स्थिति पर पूरा भरोसा है और मैं ऐसे किसी भी आरोप का उचित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से जवाब दूंगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि फिल्म 'भागम भाग 2' अपने तय समय पर चल रही है और प्रोजेक्ट निर्धारित समय पर आगे बढ़ेगा। फिल्म और क्रिएटिव इंडस्ट्री के मेंबर इस तरह के दबाव बनाने के तरीकों पर ध्यान दें। भविष्य में पेशेवर संबंधों का निर्णय लेते समय अपने निष्कर्ष निकालें।' इस बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि राज को प्रोडक्शन हाउस के साथ कम्युनिकेशन के तरीके से असहजता महसूस हुई। निर्देशक ने अपनी तीसरी फिल्म 'सोनम बेवफा है' की स्क्रिप्ट पहले ही पूरी कर ली थी, लेकिन प्रोडक्शन हाउस से हाल ही में मिले संचार से उन्हें लगा कि पूछताछ दखलंदाजी भरी और अविश्वासपूर्ण थी।

'भागम भाग 2' से गोविंदा की हुई छुट्टी

अक्षय कुमार और परेश रावल की प्रमुख भूमिकाओं वाली 'भागम भाग 2' 2006 में रिलीज हुई 'भागम भाग' का सीक्वल है। हालांकि, इस बार गोविंदा की फिल्म से छुट्टी हो गई है। उनकी जगह मनोज बाजपेयी फिल्म का हिस्सा बने हैं। 'भागम भाग' का निर्देशन जहां प्रियदर्शन ने किया था, वहीं 'भागम भाग 2' को राज शांडिल्य निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म के इसी साल के अंत तक रिलीज होने की संभावनाएं थीं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों की हरसंभव सहायता करेगी सरकार : गोयल

नई दिल्ली/केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को मदद देने के लिए सरकार बीमा समर्थन जैसी नई योजनाएं शुरू करने की संभावना तलाश रही है। उन्होंने कहा कि सरकार निर्यातकों को सहायता के लिए सभी तरीकों का इस्तेमाल करेगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आहार अंतरराष्ट्रीय भोजन और आतिथ्य मेला के 40वें संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के खाद्य और कृषि उत्पादों, जिनमें कृषि उपज और मत्स्य पालन शामिल हैं, उसका निर्यात सालाना लगभग 5 लाख करोड़ रुपये (55 अरब डॉलर से अधिक) तक पहुंच गया है, जिससे देश विश्व में कृषि उपज का सातवां सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है।

उन्होंने कहा कि हम निर्यातकों की मदद के लिए बीमा समर्थन जैसी

कुछ नई योजनाएं विकसित करने पर भी विचार कर रहे हैं। इस बारे में ईसीजीसी और अन्य विभागों से चर्चा की जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि एक अंतर-मंत्रालयी समूह पश्चिम एशिया संकट से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखे हुए है। साथ ही निर्यातकों के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा अब तक किए गए नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) ने भारतीय उत्पादों के लिए निर्यात के बड़े अवसर खोले हैं। गोयल ने कहा कि हम अब कनाडा के साथ एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसके अलावा पश्चिम एशिया के छह देशों के समूह खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के साथ भी चर्चा शुरू हुई है। गोयल ने कहा कि यह सब कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए बड़े अवसर प्रदान करता है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि सरकार उन निर्यातकों की मदद के उपाय तलाश रही है, जिनका माल भेजा जा चुका है, लेकिन मौजूदा हालात के कारण उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार चौबीसों घंटे हालात पर नजर रखे हुए है। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच लगातार जारी हमलों से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है, जिससे तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। यह संकट भारतीय निर्यातकों के लिए इस लिहाज से अहम है कि भारत के लिए पश्चिम एशिया प्रमुख निर्यात बाजारों में से एक है। उन्होंने कहा कि भारत को कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष निर्यातकों में शामिल होने का लक्ष्य रखना चाहिए। भारत फिलहाल दुनिया का सातवां सबसे बड़ा निर्यातक है।

राजपुताना स्टेनलेस लिमिटेड का आईपीओ दूसरे दिन 42 फीसदी सब्सक्राइब

नई दिल्ली/राजपूताना स्टेनलेस लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार को बोली के दूसरे दिन 42 फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी का शेयर 16 मार्च को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने के लिए प्रस्तावित है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आंकड़ों के मुताबिक आईपीओ को 2,09,00,000 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 88,17,270 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं हैं। आंकड़ों के अनुसार योग्य संस्थागत निवेशक को 0.99 गुना सब्सक्राइब किया गया। वहीं, गैर-संस्थागत हिस्सा और खुदरा हिस्सा एक के बाद एक 0.94 और 0.11 गुना सब्सक्राइब हुआ। लंबे और फ्लैट स्टेनलेस-स्टील उत्पाद बनाने वाली कंपनी राजपूताना स्टेनलेस लिमिटेड के इस इश्यू में 1,46,50,000 इक्विटी शेयर तक का ताजा निर्गम और 62,50,000 इक्विटी शेयर तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 116-122 रुपये प्रति शेयर तय किया है। यह आईपीओ बुधवार, 11 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए बंद हो जाएगा। उल्लेनीय है कि कंपनी ने एंकर निवेशक शाइन स्टार बिल्ड कैप से 10 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह फर्म स्टेनलेस-स्टील के कई उत्पाद बनाती है, जिसमें बिलेट्स, फोर्जिंग इनगॉट्स, रोल्ड ब्लैक बार्स, रोल्ड ब्राइट बार्स, फ्लैट्स, पट्टी और अन्य सहायक उत्पाद शामिल हैं।

दो दिन गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटी रौनक, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली/लगातार दो दिन तक बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज शानदार रिकवरी की। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, लेकिन लिवालों का पलड़ा लगातार भारी रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.82 प्रतिशत और निफ्टी 0.97 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान में चल रहे सैन्य अभियान को जल्द खत्म करने का संकेत देने की वजह से दुनिया भर के शेयर बाजारों में इन्वेस्टर सेंटीमेंट्स पॉजिटिव हो गए। इसकी वजह से खरीदारों ने आज उत्साहित होकर लिवाली की।

सराफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली/घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,670 रुपये से लेकर 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,190 रुपये से लेकर 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सराफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,61,820 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स का इस्तीफा, राहुल भाटिया को अंतरिम प्रभार

नई दिल्ली/देश की सबसे बड़ी एवं प्रमुख एयरलाइन इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह एयरलाइन के सह-संस्थापक राहुल भाटिया को कंपनी के सीईओ का अंतरिम प्रभार सौंपा गया है। इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि पीटर एल्बर्स 10 मार्च को अपनी शिफ्ट पूरी करने के साथ ही अपनी सेवाओं से मुक्त हो जाएंगे। कंपनी ने कहा कि पीटर एल्बर्स के इस्तीफे के बाद इंडिगो के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया ने उनकी जगह अंतरिम चार्ज ले

लिया है।

एयरलाइन ने जारी एक बयान में बताया कि कंपनी ने पीटर एल्बर्स के इस्तीफे को स्वीकार करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया है। कंपनी ने कहा कि पीटर एल्बर्स तुरंत प्रभाव से इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) के सीईओ का पद छोड़ देंगे। कंपनी ने बताया कि इंडिगो के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया तब तक एयरलाइन के मैनेजमेंट का काम संभालेंगे, जब तक कंपनी नए लीडर के आने की घोषणा नहीं कर देती, जिसकी जल्द ही उम्मीद है।

बोर्ड के चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता ने कहा, "राहुल कंपनी के कल्चर को मजबूत करने, ऑपरेशनल एक्सीलेंस को मजबूत करने और अपने कस्टमर्स को देखभाल, भरोसे और प्रोफेशनलिज्म की बेहतरीन सर्विस देने की प्रतिबद्धता को गहरा करने के लिए एयरलाइन के मैनेजमेंट का काम संभालने के लिए वापस आ रहे हैं।"

कच्चे तेल की कीमत में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट

नई दिल्ली/अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ युद्ध जल्द खत्म होने की बात कहे जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमत में भी जोरदार गिरावट दर्ज की गई। आज क्रूड ऑयल की कीमत में लगभग छह प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण ब्रेंट क्रूड 93 डॉलर प्रति बैरल और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 88 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया।

एयर इंडिया, एआई एक्सप्रेस आज पश्चिम एशिया के लिए 60 उड़ान करेंगी संचालित

नई दिल्ली/टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन और एयर इंडिया एक्सप्रेस मंगलवार को पश्चिम एशिया के शहरों के लिए कुल 60 उड़ान संचालित करेंगी। इनमें संयुक्त अरब अमीरात के लिए 32 उड़ान शामिल हैं। एयर इंडिया ने ह्यएक्सह्न पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस आज मिलकर जेद्दा से आने-जाने के लिए 14 उड़ान संचालित करेंगी, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट से आने-जाने के लिए 14 उड़ान संचालित करेंगी।

इस तरह ये दोनों एयरलाइन कुल 28 उड़ानों को संचालित करेंगी।

इससे पहले जारी एक बयान में सोमवार को कहा गया, ह्यनिर्धारित सेवाओं के अलावा, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस 10 मार्च को भारतीय शहरों और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच कुल 32 उड़ान संचालित करेंगी।ह्नह्न ये 32 उड़ानें भारत के विभिन्न शहरों से दुबई, अबू धाबी, शारजाह और रास अल-खैमाह आने-जाने के लिए होंगी। एयर इंडिया ने कहा कि हम पश्चिम एशिया डेवलपमेंट पर करीब से नजर रख रहे हैं और हालात के बदलने पर आगे अपडेट देंगे।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी चौतरफा तेजी का रुख

नई दिल्ली/ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आज चौतरफा तेजी नजर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जल्द ही ईरान युद्ध खत्म करने की बात कहे जाने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल नजर आया। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,795.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 308.27 अंक यानी 1.38 प्रतिशत उछल कर 22,695.95 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 217.33 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 47,523.47 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला इनोविजन का आईपीओ, 12 मार्च तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली/टोल मैनेजमेंट और मैनपावर सर्विस देने वाली कंपनी इनोविजन का 322.84 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 12 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 13 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 521 रुपये से लेकर 548 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 27 शेयर का है। इनोविजन के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 27 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,796 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,348 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट यानी 351 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 58,91,284 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 255 करोड़ रुपये के 46,53,284 नए शेयर और 68 करोड़ रुपये के 12,38,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ एक प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 65 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 34 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ। बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की। एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, आज मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं। सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया। अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी। वह 21 गेंदों में 52 रनों की पारी खेलकर पेवेलियन लौट पर तब तक भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत मिल गयी थी। इस पारी से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। वहीं टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए अच्छी नहीं रही थी। पहली तीन पारियों में तो वह शून्य पर ही आउट हो गये थे। चौथे मैच में भी केवल 15 रन ही बना पाये। एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 55 रन बनाये पर सुपर 8 के आखिरी मैच में सिर्फ 10 रन बना सके। सेमीफाइनल में भी अभिषेक केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में उन पर दबाव था कि फाइनल मैच में कुछ बड़ा करें जिसमें वह सफल रहे।

महिला एशियन कप: क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगा भारत, सामने चीनी ताइपे की कड़ी चुनौती

सिडनी (एजेंसी)। जापान से 0-11 से मिली करारी हार से अभी भी उबर रही भारत को अब मंगलवार को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के अपने आखिरी ग्रुप सी मैच में चीनी ताइपे के खिलाफ़ करो या मरो वाला मुकाबला जीतना होगा। ब्लू टाइग्रेसेस को क्वार्टर फाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखने के लिए कम से कम दो गोल से जीतना होगा।

नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ने के लिए उन्हें जापान को उसी समय होने वाले दूसरे ग्रुप मैच में वियतनाम को हराने की भी जरूरत होगी। भारत अभी दो मैचों में ज़ीरो पॉइंट्स के साथ ग्रुप में चौथे स्थान पर है, इससे पहले जापान से करारी हार मिलने से पहले वह वियतनाम से 1-2 से हार गई थी। जापान छह

पॉइंट्स के साथ ग्रुप में सबसे आगे है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन पॉइंट्स के साथ क्रम से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। तीनों ग्रुप से टॉप दो टीमें और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सबसे अच्छी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंच रही हैं, ऐसे में भारत की उम्मीदें एक पक्की जीत और दूसरी जगहों पर अच्छे नतीजों पर टिकी हैं। भारत की हेड कोच अमेलिया वाल्वरडे ने कहा कि टीम को पिछले नतीजों से जल्दी आगे बढ़ना चाहिए और अहम मुकाबले पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'दोनों मैच बहुत अलग थे। सबसे पहले हमें जो हुआ है उसे जल्द से जल्द याद करना होगा। हमें इस मैच के लिए अच्छी तैयारी करनी होगी।' मैच को एक तरह का फाइनल बताते हुए, वाल्वरडे ने कहा कि खिलाड़ियों को दांव पर लगी चीज़ों का पूरा अंदाज़ा था।उन्होंने आगे कहा, 'हमें मैच की अहमियत का पता है। खिलाड़ी फोकस्ड हैं, और हम अपने मौकों को पूरा करने पर काम कर रहे हैं। यह हमारे लिए फाइनल जैसा है।'

भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते दिखे शोएब अख्तर

लाहौर । भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्वकप जीत पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तार की जो प्रतिक्रिया आई है। उससे वह जलेभुने और संशय में घिरे नजर आते आते है। एक तरफ तो वह टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं, वहीं दूसरी और टीम और भारतीय क्रिकेट ढ़ांचे की प्रशंसा करते हैं। भारतीय टीम के लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप विजेता बनने पर अख्तर ने एक शो के दौरान भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत पर मजाकिया अंदाज में टिप्पण कर इस सफलता को कम आंकने का प्रयास किसा। अख्तर ने कहा, 'भारतीय टीम ने प्रयास किया जैसे अमीर बच्चा नहीं होता मोहल्ले में, जो सारे गरीब बच्चों को बुला लेता है कि आओ क्रिकेट खेले। जीतना हालांकि मैंने ही है। भारतीय टीम भी वही कर रही है हमारे साथ। 8 टीम में से 4 रह गई हैं, उनको हराकर कहती है, लो मैं जीत गया। क्रिकेट भी खत्म कर दिया गया।' अख्तर ने जब ये बात कहते हैं तब शो में शामिल अन्य क्रिकेटर सना मीर, मोहम्मद हफीज, उमर गुल और सकलैन मुश्ताक हंसने लगते हैं। शोएब इस प्रकार मजाक में भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं। वहीं उसी शो पर भारतीय टीम की तारीफ भी करते हैं। अख्तर ने कहा, 'ये जीत भारतीय बोर्ड की नीतियों, सिस्टम और मेरिट का परिरणाम है। वहीं ये भी हो सकता था कि पैसे का सही जगह पर इस्तेमाल नहीं होता। कोच गौतम गंभीर ने जोखिम लिया और संजू सैमसन को टीम में लाए। अभिषेक शर्मा युवा है और अपनी ही शैली में खेलते हैं हालांकि उन्हें बहुत कुछ सीखने की जरूरत है पर सैमसन बहुत ही परिपक्व है।' अख्तर ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम प्रबंधन ने दिखाया कि कैसे सही खिलाड़ियों को अवसर दिए जाते हैं। इस कारण रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भी टीम पर प्रभाव नीं पड़ा और वह विश्वकप जीतने में सफल रही।

आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पर रहेंगी नजरें

मुम्बई (एजेंसी)। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम के युवा कप्तान रियान पराग पर सबकी नजरें रहेंगी। पराग ने पिछले सत्र में भी कई मैचों में कप्तानी की थी। ऐसे में इसबार कप्तानी के समय उन्हें पिछले अनुभवों का लाभ मिलेगा। पिछले सत्र में रॉयल्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में इस बार रियान पर बेहतर प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाने का दबाव रहेगा। वहीं पिछले सत्र में कप्तान रहे संजू सैमसन इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते नजर आयेंगे। सैमसन के जाने के बाद टीम प्रबंधन ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए पराग पर भरोसा जताया है।

राजस्थान रॉयल्स में सैमसन एक दशक से शामिल थे। वह एक युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ से टीम के कप्तान बने थे पर पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके बाद वह फिटनेस की परेशानी से भी जूझ रहे थे। पिछले सत्र में 14 मुकाबलों में टीम को केवल चार में जीत मिली थी और वह अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इस सत्र के बाद ही सैमसन और टीम प्रबंधन में मतभेद आ गये थे और तभी से पता चल गया था कि वह बदलाव के लिए तैयार हैं।इसके बाद सैमसन सीएसके में चले गये। अब वह सीएसके में महेन्द्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज के साथ टीम में खेलते दिखेंगे। पराग को कप्तानी एकदम नहीं दी गयी बल्कि पिछले सीज़न में जब भी सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तब पराग को कप्तान के तौर पर अवसर दिये गये ताकि वह कमान संभालने के लिए तैयार रहें। उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी। उन मुकाबलों में टीम को केवल दो में ही जीत मिलीं पर पराग के आंकड़े अच्छे रहे।

उन्होंने 38.57 की औसत से रन बनाए और कई अच्छी पारियां खेलीं। इससे उनकी बल्लेबाजी में परिपक्वता और दबाव को झेलने की क्षमता दिखी। वहीं पराग का मानना है कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तेज और रणनीतिक रूप से सजग रहने का खेल है। टीम संयोजन चाहे जैसा भी हो, वह जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार

हैं।साल 2025 के अंत में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पद छोड़ने के बाद रायल्स की मुश्किलें बढ़ गयी थीं और ऐसे में देखना होगा कि नये कप्तान के तौर पर पराग कितने सफल रहते हैं।

15 मार्च से होगी न्यूजीलैंड-दक्षिण अफीका टी20 सीरीज

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड टीम 15 मार्च से दक्षिण अफीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इसमें एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कहने वाली तेज गेंदबाज ली तहूहू का प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना रहेगा। तहूहू ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती रहेंगी। तहुहू ने कहा कि उनका प्रयास टीम को टी20 विश्व कप 2026 में जीत दिलाना है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में टी20 विश्व कप जीतना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि थी और वह इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस क्रिकेटर का कहना है कि अब अपना पूरा ध्यान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर लगाएंगी। उन्होंने कहा कि टीम के लिए आगे भी रन बनाना उनके लिए उत्साहजनक होगा। साथ ही कहा कि आगे कई रोमांचक मौके हैं और मैं टी20 फॉर्मेट में टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हूं। उनके पास दक्षिण अफीका के खिलाफ सीरीज में 5 विकेट लेकर 100 विकेट का रिकॉर्ड बनाने का अवसर है। ली ने कहा कि न्यूजीलैंड के लिए खेलना उनके लिए हमेशा सम्मान की बात रही है। उन्होंने कहा, टीम की की जर्सी पहनकर उतरना उनके लिए गर्व का क्षण होता है।

इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने देश और परिवार का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 से ज्यादा मैच खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने की तरह है। उन्होंने साथ ही कहा, मैं खेल में बताये हर पल को हमेशा याद रखूंगी और इस प्रारुप में अपनी उपलब्धियों पर बेहद गर्व महसूस करती हूं। तहुहू ने साल 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना एकदिवसीय डेब्यू किया था। वहीं अपना अंतिम एकदिवीसय मैच आईसी महिला विश्वकप 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।

सदर्न ब्रेव ने हेमांग बदानी को बनाया मुख्य कोच, इयान बेल होंगे सहायक

लंदन/सदर्न ब्रेव ने आगामी सत्र के लिए अपनी पुरुष टीम का मुख्य कोच पूर्व भारतीय क्रिकेटर हेमांग बदानी को नियुक्त किया है, जबकि इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज इयान बेल को उनका सहायक कोच बनाया गया है। यह नियुक्ति द हंड्रेड टूर्नामेंट के अगले सीजन को ध्यान में रखते हुए की गई है। दिलचस्प बात यह है कि हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स ने भी इंडियन प्रीमियर लीग में इयान बेल को हेमांग बदानी का सहायक कोच बनाया था। दिल्ली कैपिटल्स के मालिक जीएमआर समूह ने पिछले साल जुलाई में सदर्न ब्रेव में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। हेमांग बदानी ने पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच का पद संभाला था। उनके मार्गदर्शन में टीम ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गई।

खाड़ी क्षेत्र में संकट के कारण टी20 वर्ल्ड कप टीमों की वापसी में देरी: आईसीसी

नई दिल्ली/अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को बयान जारी कर बताया कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में हिस्सा लेने वाली कुछ टीमों के खिलाड़ियों, कोचों, सपोर्ट स्टाफ और उनके परिवारों की घर वापसी में देरी हो रही है। आईसीसी ने कहा कि टूर्नामेंट में अपने अभियान समाप्त कर चुके सभी लोग जल्द से जल्द घर लौटना चाहते हैं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण यह संभव नहीं हो पाया है। आईसीसी के अनुसार यह देरी खाड़ी क्षेत्र में जारी संकट के कारण हो रही है, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। कई देशों के हवाई क्षेत्र बंद हैं, मिसाइल चेतावनियां जारी की जा रही हैं और उड़ानों के मार्ग बदले जा रहे हैं। इसके अलावा कई कमर्शियल और चार्टर उड़ानों को अचानक रद्द या

पुनर्निर्धारित करना पड़ा है। आईसीसी ने स्पष्ट किया कि ये परिस्थितियां उसके नियंत्रण से बाहर हैं, जिससे खिलाड़ियों की यात्रा व्यवस्था सामान्य से कहीं अधिक जटिल और समय लेने वाली हो गई है। आईसीसी ने बताया कि वह लगातार एयरलाइंस, चार्टर ऑपरेटर, एयरपोर्ट प्राधिकरण, ग्राउंड हैंडलर और विभिन्न देशों की सरकारी एजेंसियों के साथ संपर्क में है, ताकि सभी प्रभावित समूहों की सुरक्षित घर वापसी जल्द से जल्द सुनिश्चित की जा सके। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के सदस्य आज रात से दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होना शुरू करेंगे और अगले 36 घंटों के भीतर सभी के प्रस्थान की उम्मीद है। वहीं वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के नौ सदस्य पहले ही कैरेबियन के लिए रवाना हो चुके हैं, जबकि बाकी 16 सदस्य अगले 24 घंटों के भीतर भारत से उड़ान भरेंगे। आगे की प्रस्थान व्यवस्था की पुष्टि होने पर आईसीसी अतिरिक्त जानकारी साझा करेगा। आईसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि इन फैसलों के पीछे केवल सुरक्षा, व्यवहारिकता और खिलाड़ियों के कल्याण को ध्यान में रखा गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर -8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No.HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबरः- 9499422208, Email:- Info@hindustanekta.com